JAGRAN Josh
your guide to success

WWW.JAGRANJOSH.COM

छत्तीसगढ़ राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2011: इतिहास का पाठ्यक्रम

11. इतिहास

प्रथम प्रश्न पत्र

भारतीय इतिहास

खण्ड–अ

1. प्राचीन भारतीय इतिहास के अध्ययन के स्त्रोत एवं दृष्टिकोण।
2. प्रारंभिक पशुचारण एवं कृषि समुदाय मध्यपाषाणयुग तथा नवपाषाणयुग के संदर्भ में ।
3. हड़प्पा सभ्यता :– उद्‌गम, परिपक्व चरण, विस्तार, समाज, अर्थव्यवस्था एवं संस्कृति, ह्रास संबंधी प्रमुख विचार, उत्तर–हड़प्पा संस्कृतियां ।
4. वैदिक सभ्यता :– वैदिक साहित्य, ऋग्वैदिक से उत्तरवैदिक काल तक धर्म, समाजव्यवस्था, राजनीति तथा अर्थव्यवथा में परिवर्तन, उपनिषदों से संबंधित विचारधाराएं ।
5. जैन धर्म, बौद्ध धर्म तथा अन्य सम्प्रदाय, नगरीकरण का द्वितीय चरण, ई.पू. छटवीं शताब्दी में उत्तर भारत की राजनीतिक स्थिति, मगध साम्राज्य का अभ्युदय।
6. मौर्य युग :– साम्राज्य विस्तार, अशोक के शिलालेख एवं उसका धम्म, सामाजिक–आर्थिक दशा एवं सांस्कृतिक विकास ।
7. मौर्योत्तर काल में उत्तरी तथा प्रायद्वीपीय भारत :– इंडो–ग्रीक, शक, पार्थियन, कुषाण, शुंग तथा सातवाहन वंश, समाज, अर्थव्यवस्था तथा संस्कृति, संगम संस्कृति।
8. वाकाटक–गुप्त युग :– प्रमुख शासक, प्रशासनिक व्यवस्था, सामाजिक–आर्थिक स्थिति, साहित्य, विज्ञान एवं कला का विकास।
9. गुप्तोत्तर काल :– चालुक्य, पल्लव, वर्धन, पाल, राष्ट्रकूट तथा चोल राजवंश, सामंती व्यवस्था का विकास ।
10. राजपूतों का अभ्युदय, प्रमुख राजपूत राजवंश, सामाजिक स्तरीकरण, मंदिर स्थापत्य तथा अर्थव्यवस्था।

खण्ड–आ

1. मध्ययुगीन भारतीय इतिहास के स्त्रोत ।
2. सिंध पर अरब आक्रमण, उत्तरी भारत पर महमूद गजनबी तथा मुहम्मद गोरी के आक्रमण एवं प्रभाव ।
3. दिल्ली सलतनत :– कुतुबुद्‌दीन ऐबक, इल्तुतमिश तथा बलबन के अधीन सलतनत की स्थापना, खलजी साम्राज्यवाद तथा प्रशासनिक पद्धति, मुहम्मद बिन तुगलक तथा फिरोजशाह की नीतियां एवं प्रशासनिक सिद्धान्त, सैयद तथा लोदी वंश ।
4. सलतनतकालीन अर्थव्यवस्था एवं संस्कृति :– कृषि, व्यापार एवं वाणिज्य, भक्ति आंदोलन, सूफीवाद, वास्तुकला, कला तथा समाजव्यवस्था ।
5. विजयनगर तथा बहमनी साम्राज्य :– राजनीतिक स्वरूप एवं संस्कृति ।
6. बाबर, हुमायूं तथा शेरशाह :– बाबर की विजयें, हुमायूं की असफलताएं, शेरशाह के अधीन द्वितीय अफगान साम्राज्य, शेरशाह के प्रशासनिक एवं भू–राजस्व सुधार ।
7. अकबर :– मुगल साम्राज्य की स्थापना, राजतंत्र की अवधारणा, प्रशासनिक एवं भू–राजस्व व्यवस्था, धार्मिक तथा राजपूत नीतियां ।
8. जहांगीर तथा शाहजहां का युग ।
9. औरंगजेब :– मुगल साम्राज्य का चरमोत्कर्ष, धार्मिक नीति, दक्खन नीति, प्रमुख विद्रोह तथा साम्राज्य का विघटन ।
10. मराठों का उदय :– शिवाजी, राज्य विस्तार, प्रशासन तथा भू–राजस्व व्यवस्था ।
11. मुगल प्रशासन, मुगलकालीन सामाजिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक दशाएं ।
12. मुगल साम्राज्य का पतन :– उत्तरकालीन मुगल, पेशवाओं के अधीन मराठा शक्ति का अभ्युदय, प्रादेशिक राज्य बंगाल, अवध तथा निजाम के विशेष संदर्भ में।

खण्ड–इ

1. भारत में अंग्रेजी शासन की स्थापना :– आंग्ल–फ्रांसीसी संघर्ष, मैसूर तथा मराठों के साथ अंग्रेजों के संबंध ।
2. ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार 1798 से 1856 तक:– लार्ड वेलेजली, लार्ड हेस्टिंग्ज, लार्ड विलियम बैंटिंक तथा लार्ड डलहौजी की नीतियां, साम्राज्य का सुदृढीकरण ।
3. 1857 का विप्लव :– कारण, स्वरूप तथा परिणाम।
4. ब्रिटिश ताज के अधीन भारत :– विक्टोरिया का घोषणा–पत्र, प्रशासनिक तथा आर्थिक विकेन्द्रीकरण, रिपन का उदारवाद तथा कर्जन का साम्राज्यवाद ।
5. सामाजिक तथा धार्मिक आंदोलन :– ब्रम्ह समाज, प्रार्थना समाज, आर्य समाज, अलीगढ़ आंदोलन, रामकृष्ण मिशन तथा थियोसोफिकल सोसायटी ।
6. औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था :– कर प्रणाली, संपत्ति का अपवाह, भू–राजस्व बंदोबस्त, हस्तशिल्प उद्योगों का विनाश, यातायात एवं संचार, आधुनिक उद्योगों का विकास, कृषि का वाणिज्यीकरण तथा ग्रामीण ऋणग्रस्तता ।
7. भारतीय राष्ट्रवाद का उदय एवं विकास :– भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना, कांग्रेस में नरम एवं गरम पंथ, स्वदेशी आंदोलन, क्रांतिकारी आंदोलन तथा होमरूल आंदोलन ।
8. स्वाधीनता संघर्ष :– असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन, व्यक्तिगत सत्याग्रह, भारत छोड़ो आंदोलन तथा आजाद हिन्द फौज ।
9. स्वाधीनता की ओर :– शिमला समझौता, अंतरिम सरकार, माउंटबेटन योजना, भारत का विभाजन तथा सत्ता हस्तांतरण, भारतीय रियासतों का विलीनीकरण।
10. भारत का संवैधानिक विकास :– 1858, 1861, 1892, 1909, 1919 तथा 1935 के अधिनियम, भारतीय संविधान का निर्माण तथा संविधान की विशेषताएं ।

द्वितीय प्रश्न पत्र
आधुनिक विश्व का इतिहास

1. औद्योगिक क्रान्ति – इंग्लैंड में क्रांति, अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस तथा जापान में औद्योगीकरण, पूंजीवाद तथा साम्राज्यवाद का उदय, समाजवाद एवं श्रमिक आंदोलन ।
2. अमेरिका का स्वतंत्रता संग्राम – कारण, घटनाएं तथा परिणाम।
3. फ्रांसीसी क्रांति – कारण, दार्शनिकों का योगदान, नेशनल असेंबली, नेशनल कन्वेंशन, जिरोंदिस्त एवं जेकोबिन, आतंक का राज्य, क्रांति का प्रभाव ।
4. नेपोलियन का युग – नेपोलियन का उदय, प्रथम कांसल के रूप में आंतरिक सुधार तथा विदेश नीति, महाद्वीपीय व्यवस्था, प्रायद्वीपीय युद्ध, रूसी अभियान तथा पतन ।
5. प्रतिक्रिया का युग – वियना कांग्रेस, यूरोप की संयुक्त व्यवस्था, 1830 की जुलाई क्रांति, 1848 की क्रांति तथा मेटरनिख का पतन ।
6. इटली का एकीकरण – राष्ट्रवाद का उदय, कार्बोनरी की स्थापना, मेजिनी, कावूर तथा गेरीबाल्डी, वेनेशिया (1866) तथा रोम विजय (1870) ।
7. जर्मनी का एकीकरण – जुलवेरिन की स्थापना, बिस्मार्क का उदय, श्लेसविग–होल्स्टीन की समस्या तथा डेनमार्क के साथ युद्ध (1864), आस्ट्रिया–प्रशा युद्ध (1866) तथा फ्रांस–प्रशा युद्ध (1870) ।
8. जापान का विश्व शक्ति के रूप में अभ्युदय – मेईजी पुनर्स्थापना, औद्योगीकरण तथा पश्चिमीकरण, चीन–जापान युद्ध (1894–95) तथा रूस–जापान युद्ध (1904–05) ।
9. इंग्लैंड में उदारवाद – संसदीय सुधार, चार्टिस्ट आंदोलन, आर्थिक, शैक्षिक तथा औद्योगिक सुधार ।
10. अमेरिकी गृह युद्ध – कारण, अब्राहम लिंकन का राष्ट्रपति के रूप में चुनाव, दक्षिणी राज्यों का अलग होना, गृह युद्ध, दास प्रथा की समाप्ति, परिणाम ।
11. पूर्वी समस्या – यूनान का स्वतंत्रता युद्ध, क्रीमिया का युद्ध, बर्लिन कांग्रेस, युवा तुर्क आंदोलन तथा बाल्कन युद्ध ।
12. चीन में यूरोपीय स्वार्थ – अफीम युद्ध, क्षेत्रातीत अधिकार, ताईपिंग विद्रोह, बॉक्सर विप्लव, 1911 की क्रांति ।
13. प्रथम विश्व युद्ध – कारण, घटनाएं तथा परिणाम।
14. पेरिस शांति सम्मेलन तथा राष्ट्रसंघ – बिग फोर, पेरिस शांति संधियां, राष्ट्रसंघ की उपलब्धियां तथा असफलताएं ।
15. 1917 की रूसी क्रांति – कारण, घटनाएं एव प्रभाव ।
16. इटली, जर्मनी तथा जापान में अधिनायकवाद का उदय – मुसोलिनी, हिटलर, जापान में सैन्यवाद ।
17. इंडोनेशिया तथा हिन्द–चीन में राष्ट्रवाद – इंडोनेशिया में राष्ट्रवाद का उदय, विभिन्न राजनीतिक संगठन एवं उनकी गतिविधियां, हो ची मिन्ह तथा हिन्द–चीन में राष्ट्रवाद ।
18. चीन में साम्यवाद – च्यांग काई शेक तथा चीनी राष्ट्रवाद, माओ त्से तुंग के अधीन 1949 की साम्यवादी क्रांति एवं इसका प्रभाव ।
19. अरब राष्ट्रवाद – मध्य एशिया में मेन्डेट व्यवस्था, मिस्त्र, इराक, सीरिया एवं लेबनान में राष्ट्रवाद तथा फिलिस्तीन समस्या।
20. द्वितीय विश्व युद्ध – कारण, घटनाएं एवं परिणाम।